SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

शिक्षा में तकनीक का बढ़ता प्रयोग और उसका गुणवत्ता पर असर: ऑनलाइन शिक्षा के विशेष संदर्भ में

डॉ. रश्मि उपाध्याय, शोध निर्देशिका, महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय, जयपुर
शीतल गुप्ता, शोध छात्रा, महाराजा विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय, जयपुर

शोध सार

ऑन लाइन शिक्षा तकनीकी शिक्षा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है ।कोविड-19 वैश्विक महामारी के समय लॉकडाउन के दौरान ऑन लाइन शिक्षा व्यापक स्तर पर शुरू की गई ।कोचिंग संस्थानों ,प्राथमिक स्तर के विद्यालय ,उच्च स्तरीय महाविद्यालय आदि सभी में ऑनलाइन शिक्षण आरंभ किया गया ।ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षकों के लिए अभूतपूर्व चुनौतियाँ प्रस्तुत की है।

प्रस्तावना

ऑन लाइन शिक्षा व्यवस्था कोविड-19 के समय आरंभ हुई थी परंतु आज भी ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था लगातार चल रही है ।ऑनलाइन शिक्षण वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में आरंभ की गई थी परंतु अब सामान्य स्थिति में भी इसी प्रकार की शिक्षण व्यवस्था चल रही है।

ऑनलाइन शिक्षण में शिक्षक सूचना तकनीक का समुचित उपयोग करता है ।मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा भारत सरकार द्वारा महामारी के दौर में शिक्षा में अपेक्षित सुधार के लिए भारत पढ़े ऑनलाइन योजना शुरू की जो की वर्तमान में ऑनलाइन शिक्षण के बढ़ते प्रभाव को प्रदर्शित करती है।

परिचय

शिक्षा मानव समाज की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो की समाज की आवश्यकता है तथा विकास के अनुरूप निर्धारित और परिवर्तित होती रहती है ।प्राचीन समय में गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था प्रचलित थी जिसका स्थान कालांतर में अब विद्यालयों ने ले लिया है ।स्वतंत्रता से पहले तथा बाद में अनेक शिक्षा आयोगों का निर्माण कर शिक्षा व्यवस्था में कई सुधार किये गए ।यह प्रयास किया गया कि प्रत्येक वर्ग तक शिक्षा पहुँच सके ।पहले विद्यार्थी विद्यालय जाकर अध्ययन करता था वहीं तकनीक के इस दौर में शिक्षा आपके द्वार(२००६-०७ में आरंभ हुई योजना) योजना के माध्यम से ज्ञान को शिक्षार्थी तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है ।शिक्षा में तकनीकी का सर्वाधिक प्रयोग वैश्विक महामारी कोविड-19 के समय देखने को मिला जब लॉकडाउन के कारण सभी सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियां बंद थी ।ऐसी स्थिति में शैक्षणिक सत्र को पूरा करने तथा विद्यार्थियों के भविष्य को बचाने के लिए ऑनलाइन शिक्षा का सहारा लिया गया ।

शिक्षक शैक्षणिक व्यवस्था का कोई प्रमुख सूत्रधार होता है ।शिक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए शिक्षक को ज्ञान ,कौशल ,मूल्यों ,नैतिकता आदि सभी में कुशल होना चाहिए ।प्रत्येक छात्र की अधिगम यात्रा में शिक्षक अत्यंत महत्वपूर्ण कारक होता है ।शिक्षक की क्षमता उसके ज्ञान ,दृष्टिकोण ,मूल्य व व्यक्तिगत विशेषताओं का संयोजन होती है ।एक विद्यार्थी की सफलता तथा उपलब्धि दोनों पर ही शिक्षक का प्रभाव सबसे शक्तिशाली होता है। सभी छात्रों

ये पास उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा पहुँचे ऐसा प्रयास किया जाना चाहिए ।सभी स्तरों पर विद्यार्थियों को उच्च ,योग्य तथा प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाना चाहिए ।

निजी विद्यालयों में शिक्षकों के पास बहुत सारे संसाधन उपलब्ध होते हैं ।निजी विद्यालय आर्थिक रूप से सक्षम होते हैं अतः इस प्रकार के विद्यालय अपने शिक्षकों को तकनीकी रूप से अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराते हैं। प्रत्येक कक्षा में स्मार्ट कक्षा कक्ष के संसाधन उपलब्ध होते हैं शिक्षक विषय वस्तु को एनिमेशन तथा स्लाइड्स के माध्यम से छात्रों के लिए रुचिकर बना सकते है इससे छात्र निरंतर क्रियाशील रहते हैं ।इन विद्यालयों द्वारा शिक्षकों को आवश्यकतानुसार वीडियो,टेप,CD तथा लैपटॉप जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जाती है जिनकी मदद से शिक्षक कक्षा में प्रभावी शिक्षण कर सकता है।

सरकारी विद्यालयों में भी तकनीक का प्रयोग किया जाने लगा है परंतु वहाँ पर उपलब्ध संसाधन अधिक उच्च स्तर वाले नहीं होते हैं अतः सरकारी अध्यापक तकनीकी रूप से अधिक कुशलता से विद्यार्थियों को नहीं पढ़ा पाते हैं ।सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र अधिकतर गाँवों तथा दूर दराज़ क्षेत्रों वाले होते हैं जहाँ इंटरनेट का नेटवर्क काफ़ी कठिनाई से पहुँच पाता है ऐसी अत्याधुनिक तकनीकी अन्य संसाधन उपलब्ध न होने से भी उनकी शिक्षण की प्रभावशीलता में कमी आती है

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

निष्कर्ष

सभी शिक्षकों के पास स्मार्टफ़ोन ,लैपटॉप ,कंप्यूटर आदि की सुविधा न होने से शिक्षकों की ऑनलाइन शिक्षण में गुणवत्ता पर बहुत प्रभाव पड़ता है ।जैसे जैसे हम शिक्षा व्यवस्था में इस परिवर्तनकारी यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं हमें नित नयी चुनौतियाँ देखने को मिल रही हैं जिसे शिक्षक वर्ग अपने प्रयासों से गतिशील और आकर्षक बना सकता है।

iajesm
Quality Of Work... Never Ended...